नईदुनिया
www.naidunia.com
इंदौर, मंगलवार 04 मार्च 2014

प्रोत्साहन | सेल परियोजना के तहत सोलर लैंप पाकर विद्यार्थी उत्साहित

पढ़ाई में अब बाधा नहीं बनेगा अंधेरा

कुलदीप ठाकुर >> पाटी

अब पहाड़ी इलाकों के विद्यार्थियों को बिजली के अभाव में इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। सोल परियोजना के तहत विद्यार्थियों को सोलर ऊर्जा के स्टडी लैंप आंशिक राशि में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आशाग्राम ट्रस्ट की सहभागिता से आईटीआई मुंबई की परियोजना जिले में यह कार्य रही है। टेबल लैंप की भांति बिजली के इस वैकल्पिक साधन को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह नजर आ रहा है। एक बार चार्ज होने पर ये लैंप 8 घंटे तक का बैकअप देते हैं, इससे एक विद्यार्थी की औसतन पढ़ाई का अधिकांश समय कवर हो जाता है।

सोमवार को उत्कृष्ट विद्यालय पाटी में लैंप वितरण करने आए आशाग्राम ट्रस्ट के श्रीराम डावर ने बताया कि जिले का सर्वे कर 10 लाख विद्यार्थियों तक लैंप पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है। अलग-अलग पुर्जो को जोड़कर पहले हम लोग सोलर बैटरी-लैंप और चार्जिंग पैनल की यूनिट तैयार करते हैं। अब इसे विद्यालयों में जाकर वितरण कर रहे हैं। पाटी, गंधावल, बोकराटा और रोसर से शुरुआत की गई है। विद्यार्थियों से फॉर्म भरवाकर उनका शिक्षकों से सत्यापन करवाते हैं और फिर उन्हें 120 रुपए में लैंप दिया जाता है। बाजार में इसकी कीमत 500 रुपए तक है।

पाटी में सोलर लैंप पाकर प्रसन्न मुद्रा में विद्यार्थी।

ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए वरदान

दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में बिजली या तो पहुंची ही नहीं है और यदि है भी तो कटौती आदि के चलते विद्यार्थियों की पढ़ने में एक बड़ी बाधा साबित होती है। लेकिन सोलर लैंप से अब उनकी पढ़ाई में रुकावट नहीं होगी। छात्र लालसिंग, सोनीलाल, रितेश, कमल, लोकेश, विजय आदि ने बताया कि घर पर हमारे और भाई-बहनों की पढ़ाई के मामले में बिजली का यह बहुत कारगर विकल्प है। सोलर लैंप एक सुरक्षित और प्रदूषणमुक्त विकल्प है। वितरण के समय लैंप का कोड लिखा जा रहा है। दिसंबर 2015 तक मुफ्त मरम्मत और रखरखाव का जिम्मा भी लिया जा रहा है। मोबाइल चार्जर के रूप में इस्तेमाल किया जाना इसका एक और उपयोगी पहलू है।